# अंक योजना (2021-2022)

## अभ्यास प्रश्न पत्र टर्म 2

## इतिहास (027)

## कक्षा-XII

**समय**: 2 **घंटे** **अधिकतम अंक**: 40

| | **खंड क**<br>**लघु उत्तरीय प्रश्न** | 3x4=12 M |
|---|---|---|
| 1. | 1. दिसंबर 1929 में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में ।<br>2. जवाहरलाल नेहरु इस अधिवेशन के अध्यक्ष चुने गए जो युवा पीढ़ी के नेतृत्व के प्रतीक माने जाते थे ।<br>3. अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग<br>4. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>(कोई तीन बिन्दु)<br>Theme 13 Page 355-356 | 3 |
| 2. | 1. लाहिड़ी के अनुसार संविधान सभा अंग्रेजों की बनाई हुई है। वह अंग्रेजों की योजनाओं को साकार करने का काम कर रही है।<br>2. मामूली से मामूली मतभेद के लिए भी संघीय न्यायालय तक दौड़ना होगा या इंग्लैड में जाकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री या किसी और के दरवाज़े पर दस्तक देनी होगी।<br>3. संविधान सभा ब्रिटिश बंदूकों, ब्रिटिश सेना, उनके आर्थिक व वित्तीय शिकंजे के साये में।<br>4. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 15 Page 413-416<br>**अथवा**<br>संविधान के अंतर्गत शक्तियों के विभाजन की तीन सूचियां हैं- केंद्रीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची।<br>1. केंद्रीय सूची के विषय केंद्रीय सरकार के अधीन हैं, इन विषयों का संबंध राष्ट्रीय महत्व से है। | 3 |

www.edudel.nic.in

| | | |
|---|---|---|
| | 2. राज्य सूची के विषय राज्य से संबंधित हैं।<br>3. समवर्ती सूची के विषय केंद्र व राज्य दोनों की साझा जिम्मेदारी हैं परंतु अन्य संघों की तुलना में बहुत ज्यादा विषयों को केवल केंद्रीय नियंत्रण में रखा गया है।<br>4. अनुच्छेद 356 के तहत गवर्नर की सिफ़ारिश पर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार है।<br>5. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>(समग्रता में मूल्यांकन)<br>Theme 15 Page 423 | |
| 3. | कुचलने के क़दम<br>1. मार्शल ला<br>2.मुक़दमे<br>3.सैनिक कार्रवाई<br>4.कूटनीति<br>5.वफ़ादारी करने वालों को ईनाम<br>6. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>(कोई तीन बिन्दुओं की व्याख्या)<br>Theme 11 Page 301-303 | 3 |
| 4. | 1. जमींदारों की सैन्य टुकड़ियों को भंग कर दिया गया।<br>2. जमींदारों से न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गई।<br>3. जमींदारों की कचहरियों को कंपनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख में रखा गया।<br>4.कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 10 Page 260 | 3 |
| | **खंड ख**<br>**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** | **6x3=18** |
| 5. | 1) विद्रोही भारत से ब्रिटिश शासन सत्ता को उखाड़ना चाहते थे।<br>2) विद्रोही जागीरदार,ताल्लुकदार,किसान,काश्तकार,देसी राजा अपने हकों के अस्तित्व के लिए लड़ रहे थे।<br>3) वे अपने राज्यों, रियासत व जागीरों को पुन: प्राप्त करना चाहते थे। | 6 |

www.edudel.nic.in

| | | |
|---|---|---|
| | 4) भूराजस्व प्रणाली व लगान वसूली की समाप्ती चाहते थे।<br>5) बुनकरों, शिल्पकारों, कारीगरों को बेरोजगार कर दिया गया था- कारीगरों व दस्तकारों को विश्वास था कि ब्रिटिश शासन समाप्त होते ही उनकी स्थिति उन्नत हो जाएगी।<br>6) विद्रोही नेता 18वीं सदी कि पूर्व ब्रिटिश दुनिया को पुनर्स्थापित करना चाहते थे।<br>7) भारत की गरिमापूर्ण संस्कृति की पुनर्स्थापना चाहते थे।<br>8) ईस्ट इंडिया कंपनी अधिकारियों द्वारा भारतीय सैनिकों को अपमानित किया जाता था, इसीलिए सैनिक अपना आत्मसम्मान व आत्मगौरव चाहते थे।<br>9) कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 11 Page 300 | |
| 6. | 1. राजस्व की बहुत ऊँची मांग<br>2. उपज की नीची कीमते जिससे कर चुकाना मुश्किल हो जाता था<br>3. आसमान राजस्व -<br>4. सूर्यास्त विधि<br>5. जमींदार की सीमित शक्ति<br>6. जमींदार की सैनिक टुकड़ियां भंग<br>7. रैयतों से ज़मींदारो द्वारा कर वसूली में समस्या<br>8. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 10 Page 260-261<br>**अथवा**<br><br>धनी किसानों का एक ऐसा वर्ग जो उत्तरी बंगाल में काफी शक्तिशाली था जोतदार ज़मींदारों से अधिक प्रभावशाली थे ।उसके शक्तिशाली होने के निम्नलिखित कारण थे ।<br>1. उन्नीसवीं शताब्दी के आरम्भ तक धनी किसानों के इस वर्ग ने बड़े बड़े भागों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया था। कुछ जोतदारों के भू भाग तो हज़ारों एकड़ में फैली थे ।<br>2. स्थानीय व्यापार तथा साहूकारी कारोबार पर भी उनका नियंत्रण था ।<br>3. वे अपने क्षेत्र के ग़रीब काश्तकारों पर व्यापक शक्ति का प्रयोग करते थे।<br>4. ज़मींदारों के विपरीत जोतदार शहर में रहने की बजाए गांवों में ही रहते थे।<br>5.ग़रीब गाँववासियों के एक बड़े वर्ग पर उनका नियंत्रण जमींदारो की अपेक्षा अधिक। | 6 |

www.edudel.nic.in

| | | |
|---|---|---|
| | 6. जोतदार ज़मीनदारों द्वारा गाँव की जमा ( लगान) को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों का विरोध करते थे।<br>7. किसानों को कर न देने के लिए उकसाते थे।<br>8. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 10 Page 261 | |
| 7. | 1. मुग़ल राज्य का एक महत्वपूर्ण स्तंभ इसके अधिकारियों का दल था जिन्हें इतिहासकार सामूहिक रूप से अभिजात वर्ग कहते हैं।<br>2. अभिजात वर्ग में भर्ती विभिन्न नृ जातीय और धार्मिक समूहों से होती थी ताकि कोई भी दल इतना बड़ा न हो कि वह राजा की सत्ता को चुनौती ना दे सके।<br>3.अभिजात वर्ग में ईरानी ,तूरानी , अफ़ग़ानी ,राजपूत सभी शामिल थे । इन सबको दिए गए पद और पुरस्कार पूरी तरह से राजा के प्रति उनकी सेवा और निष्ठा पर आधारित थे।<br>4.साम्राज्य के निर्माण के आरंभिक चरण से ही तूरानी और ईरानी अभिजात वर्ग अकबर की शाही सेवा में उपस्थित थे।<br>5.1560 से आगे भारतीय मूल के दो शासकीय समूह राजपूतों व भारतीय मुसलमानों ने भी शाही सेवा में प्रवेश किया । इनमें नियुक्त होने वाले प्रथम व्यक्ति राजपूत मुखिया अंबेर का राजा भारमल कछवाहा था।<br>6. शिक्षा और लेखाशास्त्र की ओर झुकाव वाले हिंदू जातियों के सदस्यों को भी पदोन्नत किया जाता था जैसे अक़बर के वित् मंत्री टोडर मल,खत्री थे।<br>7. जहांगीर के शासन में ईरानियों को उच्च पद प्राप्त हुआ ।जहांगीर की राजनीतिक रूप से प्रभावशाली रानी नूरजहाँ ईरानी थी।<br>8. औरंगज़ेब ने राजपूतों को उच्च पदों पर नियुक्त किया।<br>9. कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 9 Page 233-234<br>**अथवा**<br>1. अकबर की सुलह-ए-कुल की नीति का मुख्य उद्देश्य सार्वभौमिक सहिष्णुता था।<br>2. अकबर का मानना था कि राज्य के विभिन्न धर्मों हिंदू , मुस्लिम, जैन, जरतुश्त, पारसी आदि के मध्य शांति और सहअस्तित्व स्थापित - करना बादशाह का फर्ज है।<br>**3.** सुलह-ए-कुल का आदर्श राज्य के सभी समुदायों के बीच शांति | 6 |

www.edudel.nic.in

| | | |
|---|---|---|
| | स्थापित करने का श्रेष्ठ माध्यम था।<br>**4.** सुलह-ए-कुल के आदर्श में राज्य के प्रत्येक धर्म की अच्छी बातों को शामिल किया गया।<br>**5.** शांति और स्थायित्व के स्रोत रूप में बादशाह सभी धार्मिक और नृजातीय समूहों के ऊपर होता था और सुनिश्चित करता था कि न्याय और शांति बनी रहे।<br>**6.** 1563 में तीर्थयात्रा कर व 1564 में जजिया कर समाप्त करके धार्मिक सद्‌भावना का संदेश दिया गया।<br>**7.** इस नीति के तहत उपासना-स्थलों के निर्माण के लिए अनुदान दिए गए।<br>**8.** साम्राज्य के अधिकारियों को प्रशासन में सुलह - ए - कुल के नियम का अनुपालन करने के निर्देश दिए गए।<br>**9.** अबुल फज़्ल ने सुलह - ए - कुल को प्रबुद्ध शासन कि आधारशिला बताया।<br>**10.** कोई अन्य मान्य बिन्दु<br>Theme 7<br>Page 233-234 | |
| | **खंड ग**<br>**केस आधारित प्रश्न** | **4x2=8** |
| 8. | 8.1 जेसुइट पादरी फ़ादर एंटोनियो मोंसेरेट द्वारा।<br>8.2 अकबर के दरबार के बारे में।<br>8.3<br>(i) सत्ता के बेधड़क उपयोग से उच्च अभिजातों को रोकने के लिए<br>(ii) उन्हें नियंत्रण में रखने के लिए | **1+1+2=4** |
| 9. | 9.1 हिंदी और उर्दू<br>9.2 हिन्दुस्तानी भाषा को<br>9.3<br>(i) राष्ट्रीय भाषा समृद्ध और शक्तिशाली होनी चाहिए<br>(ii) यह मानवीय विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्ति दे सके।<br>(iii) कोई अन्य मान्य बिन्दु | **1+1+2=4** |

www.edudel.nic.in

| | | |
|---|---|---|
| | **खंड घ**<br>**मानचित्र आधारित प्रश्न** | **1+1=2** |
| 10. | I अथवा II<br>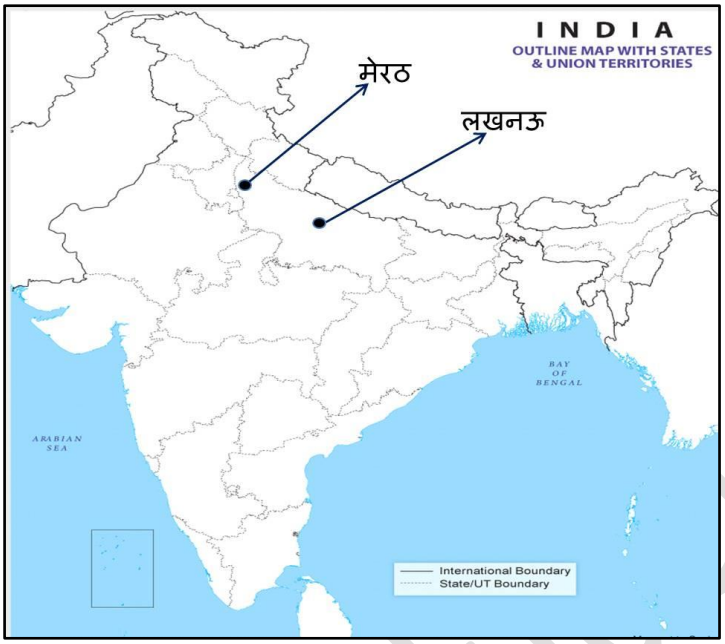<br><br>b. बंबई<br><br>**केवल दृष्टिबाधितों के लिए:**<br>मेरठ, झाँसी (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य)<br>**अथवा**<br>चौरी-चौरा, बनारस (अन्य प्रासंगिक स्थल भी मान्य) | 1<br><br>1<br><br>2 |

www.educet.nic.in